

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME  
(BDP PHILOSOPHY)**

**Term-End Examination 00888  
December, 2013**

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY  
BPY-010 : EPISTEMOLOGY**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

- 
- Note :** (i) *Answer all five questions.*  
(ii) *All questions carry equal marks.*  
(iii) *Answers to question No. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
- 

1. Discuss the metaphysical method of Thomas Aquinas. 20

**OR**

Explain the constructivist and ecological approach to perception 20

2. How does Kant arrive at the synthetic a priori judgement ? Discuss. 20

**OR**

Explain the differences between Rationalist and empiricist theory of knowledge and highlight their inadequacies. 20

3. Answer *any two* of the following in about **200 words** each :
- (a) Explain knowledge. How does belief become knowledge? **10**
- (b) How do Impressions and Ideas correspond to each other in Hume's philosophy? **10**
- (c) Define Inference. Explain the two kinds of Inference. **10**
- (d) Discuss the characteristic traits of the Frankfurt school. **10**
4. Answer **any four** of the following in about **150 words** each :
- (a) Examine the concept of sabda in the Nyaya system. **5**
- (b) Describe semantic theory of truth. **5**
- (c) Briefly explain Derrida's critique of the subject. **5**
- (d) What is your understanding of cartesian doubt? **5**
- (e) Illustrate coherentism. **5**
- (f) Examine the nature and criteria of truth. **5**
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100 words** each :
- (a) Knowledge as social praxis **4**
- (b) Act and potency **4**
- (c) Neo - pragmatic theory of truth **4**
- (d) Illusory or erroneous perception. **4**
- (e) Upamana. (Analogy) **4**
- (f) Deduction. **4**
- (g) Methodological continuity. **4**
- (h) The knowing subject. **4**
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम  
( बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र )

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2013

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र  
बी.पी.वाई.-010 : ज्ञानमीमांसा

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- टिप्पणी :** (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।  
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।  
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. थॉमस ऐक्वीनास की तत्त्वमीमांसीय पद्धति की विवेचना कीजिए। 20

अथवा

प्रत्यक्ष के प्रति संरचनावादी और परिस्थितिकीय दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए। 20

2. कांट पूर्वानुभविक संश्लेषात्मक निर्णय को कैसे प्राप्त करते हैं? 20  
विवेचना कीजिए।

अथवा

बुद्धिवादी और अनुभववादी ज्ञान के सिद्धांतों के मध्य अन्तरों की व्याख्या कीजिए और उनकी अप्रयाप्तता को प्रकाशित कीजिए। 20

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।
- (a) 'ज्ञान' की व्याख्या कीजिए। विश्वास कैसे ज्ञान में परिवर्तित हो जाता है? 10
- (b) ह्यूम के दर्शन में प्रत्यय और सम्बेदन एक दूसरे से किस प्रकार सम्बादिता स्थापित करते हैं? 10
- (c) अनुमान को परिभाषित कीजिए। अनुमान के दो प्रकारों की व्याख्या कीजिए। 10
- (d) फ्रेंकफुट स्कूल के लक्षणों की विवेचना कीजिए। 10
4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।
- (a) न्याय दर्शन में प्रस्तुत शब्द प्रमाण का परीक्षण कीजिए। 5
- (b) सत्य के अर्थगत (semantic) सिद्धांत का वर्णन कीजिए। 5
- (c) डेरिडा की विषयी (subject) की आलोचना की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5
- (d) देकार्तीय संदेह से आप क्या समझते हैं? 5
- (e) संसक्ततावाद (Coherentism) को स्पष्ट कीजिए। 5
- (f) सत्य के स्वरूप और मानदण्ड का परीक्षण कीजिए। 5
5. किन्हीं पाँच प्रश्नों पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
- (a) सामाजिक आचरण (social praxis) के रूप में ज्ञान 4
- (b) क्रिया और सामर्थ्य 4
- (c) सत्य का नव-उपयोगितावादी सिद्धांत 4

(d)	भ्रामक प्रत्यक्ष	4
(e)	उपमान (Analogy)	4
(f)	निगमन	4
(g)	पद्धतीय निरन्तरता	4
(h)	ज्ञानवान विषय (knowing subject)	4

---